डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद

प्रेस विज्ञप्ति (निःशुल्क प्रकाशनार्थ) दिनांक 08.12.2017

भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान एवं विश्वविद्यालय के मध्य हुआ एम0ओ0यू0

विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय के अंतर्गत कार्यरत विभागो एवं पाठयक्रमों में शोध गुणवत्ता की अभिवृद्वि के दृष्टिगत लखनऊ स्थित भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान तथा डा0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के मध्य कल अपरान्ह 4:00 बजे एक समझौता पत्र (एम0ओ0यू0) हस्ताक्षरित किया गया। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान की ओर से निदेशक डा0 ए0के0 पाठक तथा डा0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो0 मनोज दीक्षित ने कल गन्ना अनुसंधान संस्थान परिसर लखनऊ में आयोजित एक अनौपचारिक समारोह में एम0ओ0यू0 पर हस्ताक्षर किए। इस दौरान पर्यावरण विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो0 जसवंत सिंह भी उपस्थित रहे।

एम0ओ0यू0 हस्ताक्षरित किए जाने के उपरांत अनौपचारिक वार्ता के क्रम में प्रो0 मनोज दीक्षित ने बताया कि एम0ओ0यू0 के माध्यम से गन्ना अनुसंधान संस्थान लखनऊ में उपलब्ध शोध सुविधाओं एवं उपकरणों का सीधा लाभ विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान विभाग, माइक्रोबायलोजी विभाग तथा बायोकेमेस्ट्री एवं बायोटेक्नोलाजी विभाग के शोधकर्ताओं को प्राप्त हो सकेगा। कुलपति ने कहा कि समझौता पत्र की शर्तो के अनुरुप विश्वविद्यालय से सम्बद्व ऐसे समस्त महाविद्यालय जहां बी0एस0सी0 कृषि अथवा एम0एस0सी0 कृषि के पठन–पाठन की सुविधा उपलब्ध है, के छात्रों को प्रायोगिक कार्यो के अतिरिक्त शिक्षा समाप्ति के उपरांत कैरियर ग्रोथ के संदर्भ में संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिकों को सीधा मार्ग दर्शन प्राप्त हो सकेगा। कुलपति ने यह भी कहा कि शिक्षा समाप्ति के उपरांत कृषि पाठयक्रम के वह छात्र जो कृषि को कैरियर के रुप में अपनाना चाहते हैं उन्हें उच्च किस्म की गन्ने की फसलों के संदर्भ में संस्थान द्वारा तकनीकी ज्ञान उपलब्ध कराया जायेगा जिसका सीधा लाभ छात्र को प्राप्त हो सकेगा। इसके अतिरिक्त संस्थान के वैज्ञानिक विश्वविद्यालय परिसर एवं सम्बद्व महाविद्यालयों में गन्ना अनुसंधान के संदर्भ में प्रगतिकारी व्याख्यान प्रस्तुत करने के साथ–साथ जागरुकता अभियानों को भी आयोजित करेंगे।

विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डा0 जसवंत सिंह ने बताया कि शोध गुणवत्ता के उन्नयन के संदर्भ में विश्वविद्यालय द्वारा हस्ताक्षरित किया गया यह पांचवा एम0ओ0यू0 है। इसके पूर्व गत 6 माह में विश्वविद्यालय ने किंग जार्ज मेडिकल वि0वि0, भारतीय विष विज्ञान अनुसंधान संस्थान, राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान तथा केन्द्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान के साथ शोध गुणवत्ता सुनश्चयन की दृष्टि से एम0ओ0यू0 हस्ताक्षरित किए हैं। डा0 जसवंत ने यह भी कहा कि आगामी वर्षो में जब इन एम0ओ0यू0 के परिणाम परिलक्षित होने लगेंगे निश्चय ही शोध संदर्भो में विश्वविद्यालय की पहचान एक उत्कृष्ठ विश्वविद्यालय के रुप मे होने लगेगी।

नोट : फोटो मेल पर संलग्न है।

मीडिया प्रभारी